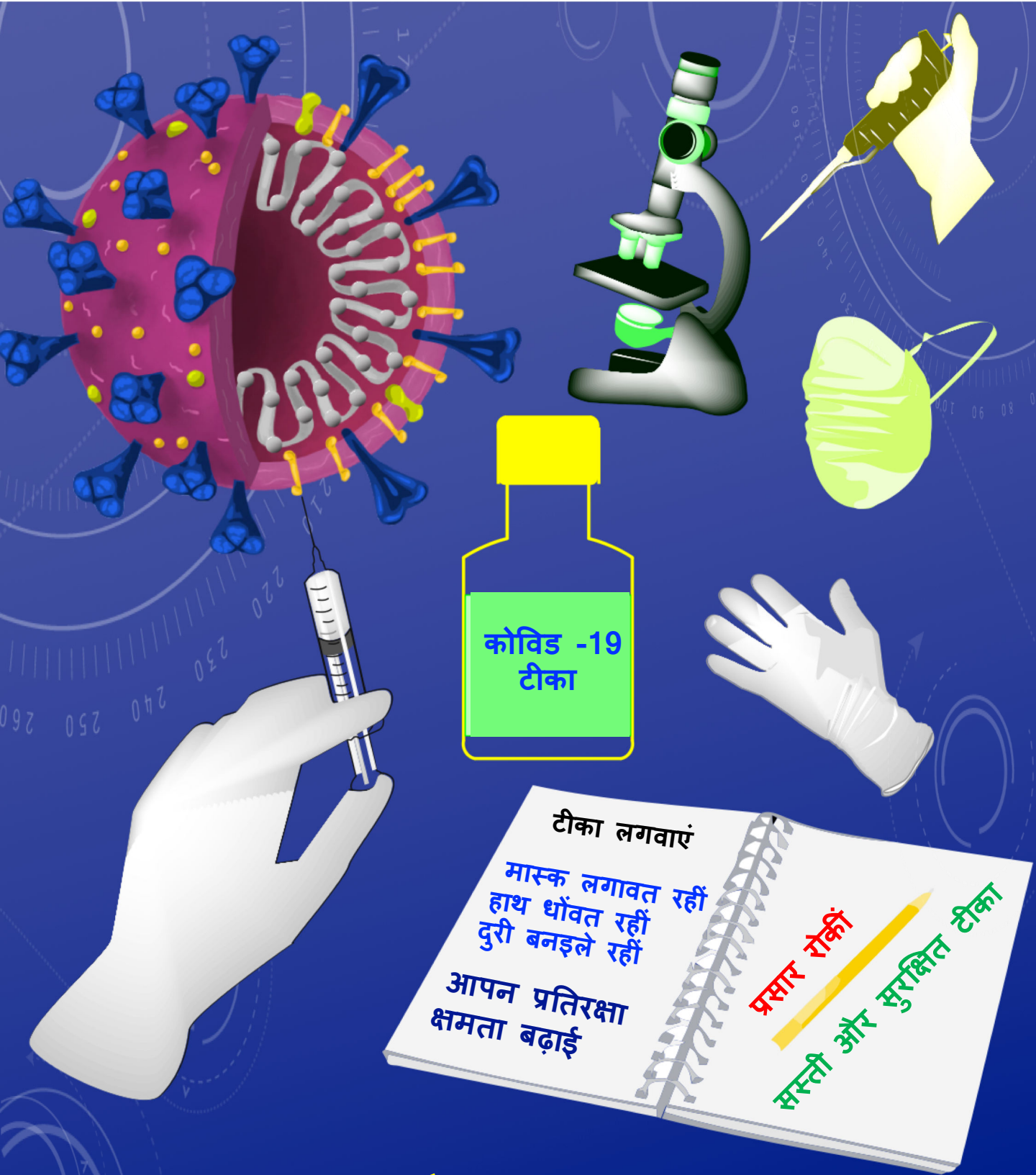




Indian National Young Academy of Sciences
भारतीय राष्ट्रीय युवा विज्ञान अकादमी

भारतीय राष्ट्रीय युवा विज्ञान अकादमी (IN-YAS)



IN-YAS COVID-19 वैक्सीन जागरूकता अभियान

2021

COVID19, टीकाकरण और सामान्य प्रश्न

भले ही संसार में कोविड के केस के ग्राफ गिरत बा, लेकिन टीकाकरण ही एक मात्र तरिका बा जो ई बीमारी के खतम कर सकत बा | विभिन्न कारकों (जैसे शीघ्र परीक्षण, राजनीतिक विचारों और विशेषज्ञों के साथ-साथ गैर-विशेषज्ञों से मिली-जुली राय) के साथ, लोगों को कोविड-19 वैक्सीन को लेकर बहुत सारा आशंका बा | यही संशयवाद लोगों के वैक्सीन लगावे से रोके बा और सरकार के सामूहिक टीकाकरण के कार्यक्रम को सफल बनने में रुकावट पैदा करत बाटे। सही टीका के जानकारी के लिये बहुत सारा शोध लेख, दस्तावेज़ और कागज बनावल गईल बा | हम सब ईन्डियास- युवा वैज्ञानिकों की एक राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, टीका के सही जानकारी के संदर्भ में टॉप 30 महत्वपूर्ण प्रश्न उत्तर प्रयास तैयार कएले बानी जा |

कुल प्रश्न चार भाग में विभाजित बाटे:

1. कोरोना वायरस और COVID-19 के बारे में
2. टीकों के बारे में: कार्य, अनुमोदन और उत्पादन
3. टीकाकरण प्रोटोकॉल - संरक्षण, दुष्प्रभाव और प्रभावकारिता
4. स्वास्थ्य, नैतिक और धार्मिक चिंताएँ
5. पोस्ट टीकाकरण और भविष्य के टीके

कोरोना वायरस और COVID-19 के बारे में

1) कोरोना वायरस का ह और क्या ई दुसरा वायरस से ज्यादा मजबूत है ?

कोरोना वायरस आरएनए ग्रुप के वायरस है जिसका चारों तरफ से ईनवेलोप होला। कोरोना शब्द के मतलब मूकूट होला। COVID-19 या SARS-CoV-2 कोरोना वायरस फैमिली के ही सदस्य हउवे | कोरोना अपने दुसरे फैमिली वायरस से ना ज्यादा खतरनाक बा नाहीं कमजोर बा | कोरोना संक्रमित लोगों से या उनके पास रहले से

फैलता, जो कि दुनिया मे लाखो लोगो के मौत के कारन बनल बाटे। अईसन भी मानल जाला की कोरोना हवा मे भी फैल सकेला ।

इस नये कोविड के प्रभाव पुराने अन्य वैश्विक महामारी के मुकबले शायद जटील बाटे और इसको सम्झने मे जयदा समय लगत बा । मृत्यु दर में गिरावट उत्परिवर्तन के रूप में ज्ञात आनुवंशिक चरित्र में बदलाव के कारण हो सकत बाटे, जो वायरस को शरीर के लिए बेहतर रूप से अनुकूल बनाने में मदद करता बा “हर्ड इम्यूनिटी” पाने तक।

लेकिन हम सब की इ नहिखे पता के कब “हर्ड इम्यूनिटी” आई इसलिए मेडिकल सम्बन्धी माध्यम से ही हम सब इस महामारी को कम कसत बानी जा ।

2) “हर्ड इम्यूनिटी” क्या है ?

“हर्ड इम्यूनिटी” एक तरह के रोग प्रतिरोधक क्षमता है जो एक बड़े आबादी में इन्फेक्शन के खिलाफ बनेला और बीमारी से सुरक्षा देला ।

टीकों के बारे में: तरीका, अनुमोदन और उत्पादन

3) टीके कईसे काम करे ला?

यह रोगजनक को एक बाहरी के रूप में याद रखने के लिए प्रतिरक्षा प्रणाली को प्रशिक्षित करेला और किसी भी भविष्य के संक्रमण में प्रमुख प्रतिरक्षा प्रभावक (टी एंड बी कोशिकाओं) के माध्यम से इसे पहचाने मे मदद करेला । साइटोटॉक्सिक टी कोशिकाओं या बी कोशिकाओं द्वारा निर्मित एंटीबॉडी द्वारा एक रोगजनक या रोगजनक संक्रमित कोशिकाओं को नष्ट करने के साथ-साथ, उत्पन्न मेमोरी कोशिकाएं को अप् ने स्मृति में लंबे समय तक रोगजनक को याद रखने और पुनः संक्रमण के रोकने में मदद करेला। अइसे, टीका, एंटीबॉडी बनाने के माध्यम से और प्रतिरक्षाविज्ञानी स्मृति को विकसित करके दीर्घकालिक सुरक्षात्मक दोनों तत्काल सुरक्षा को प्रेरित करे ला ।

4) विकास से लेकर टीके के अनुमोदन तक के चरण का हा? भारत में अनुमोदन के हालात का बा?

टीके तीन चरणों के माध्यम से विकसित कइल जाला-

चरण 1 जहां सुरक्षा और खुराक के लिए परीक्षण कइल जाला। चरण 2 और 3 बड़े पैमाने पर बराबर परीक्षण होला, जेकरा बाद सरकार के तरफ से लइसेंस मिले ला। तीन चरणों के पूरा होने के बादे , टीकों को दवा विनियमन अधिकारियों द्वारा सुरक्षा और प्रभावकारिता परीक्षणों पर कड़े विश्लेषण और डेटा के आधार पर लाइसेंस देहल जला , वर्तमान में 2 टीके (कोविशिल्ड और कोवाक्सिन) स्वयंसेवकों की सहमति के बाद आपातकालीन उपयोग प्राधिकरण के तहत उपयोग में लावल जाता । दोनों टीकों को गहन कोल्ड चेन के आवश्यकताओं की जरूरत नहीं है और इसलिए इसे बड़े पैमाने पर टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल कइल गइल बा ।

5) कितना वैक्सीन मंजूर भेल बा और वो सब किस स्टेज पर बा?

Vaccine	Developer	Nature of action
Covishield	ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका (सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा निर्मित)	एक चिंपांजी एडेनोवायरस (ChAdOx1/AZD1222) के संशोधित संस्करण के रूप में
Pfizer	फाइजर-बायोएनटेक	mRNA (लिपिड नैनोकणों में लिपटे)
Moderna	मैसाचुसेट्स-एनआईएच	mRNA1273
Covaxin	भारत बायोटेक, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी और इंडियन	निष्क्रिय कोरोना वायरस (रासायनिक-बीटा-प्रोपियोलेक्टोन के साथ मिला हुआ)

	काउंसिल फॉर मेडिकल रिसर्च (ICMR)	
Sputnik V (Gam-Covid-Vac)	गमलेया शोध संस्थान (रूसी स्वास्थ्य मंत्रालय)	दोहरा मापदंड वाला डीएनए एडेनो वायरस के अंदर (Ad26 and Ad5)
Convidecia (Ad5-nCoV)	कैन सिनो बायोलॉजिक्स, चीन	Ad5 एडिनो वायरस आधारित
BBIBP-CorV	जैविक उत्पादों के बीजिंग संस्थान (सिनोपार्म, चीन द्वारा निर्मित)	निष्क्रिय कोरोना टीका

अन्य भारतीय कंपनियों जैसे जैविक ई, कैडिला हेल्थकेयर और जेनोवा भी टीका विकास के उन्नत चरण में बाटे।

6) कौन सा टीका चुनल जा और किसको तरजीह मिली?

भारत में, वर्तमान में हम सब के पास केवल दो टीके (कोविशिल्ड और कोवाक्सिन) सार्वजनिक उपयोग के लिए उपलब्ध बाटे। अधिकांश टीकाकरण केंद्रों में केवल दोनो मे कोइ एक हैं। हम या तो उपलब्ध एक को स्वीकार कर सकते हैं, या दूसरे मोड़ की प्रतीक्षा कर सकते हैं। आम जनता के लिए हमारे पास कई विकल्प होने से पहले अधिक समय लागी भले ही वर्तमान में कीमत एक चिंता का विषय नएखे लेकिन वैक्सीन प्रकार (जैसे कि आरएनए या डीएनए) के साथ-साथ इसका देशी या विदेशी होना भविष्य में कीमत को प्रभावित करी ।

प्राथमिकता सूची में, भारत सरकार ने लगभग 30 करोड़ लोगों को चुना है, जिन्हें COVID-19 टीकाकरण कार्यक्रम के लिए "प्राथमिकता वाले जनसंख्या समूह" कहल जाला।

- सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों के एक करोड़ स्वास्थ्य कर्मचारी
- लगभग 2 करोड़ फ्रंटलाइन वर्कर्स जैसे सुरक्षा कर्मियों और आवश्यक सेवाओं में शामिल लोग
- लगभग 27 करोड़ प्राथमिक आयु समूह के लोग (<50 साल के) और कई बीमारियों के साथ के लोग ।

टीकाकरण प्रोटोकॉल - संरक्षण, दुष्प्रभाव और प्रभावकारिता

7) वैक्सीन कइसे दिहल जाई और का प्रक्रिया रही ?

प्रशिक्षित कर्मचारियों (जैसे डॉक्टर, दंत चिकित्सक, नर्स और पैरामेडिक्स) द्वारा सार्वजनिक और निजी केंद्रों के माध्यम से प्रति दिन अधिकतम 100 टीकाकरण के साथ टीके देहल जाई। टीकाकरण कर के खातिर, सब के COVID वैक्सीन इंटेलिजेंस नेटवर्क (को-विन) मोबाइल ऐप पर पंजीकरण करना होगा। पंजीकृत मोबाइल नंबर के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को टीकाकरण केंद्र, निर्धारित समय और तारीख के बारे में सूचित कईल जाई । टीकाकरण के बाद कम से कम 30 मिनट तक टीकाकरण केंद्र में रहे की पड़ी ।

फोटो कार्ड जैसे आईडी कार्ड (आधार कार्ड / ड्राइविंग लाइसेंस / स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, श्रम मंत्रालय / महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण, रोजगार गारंटी अधिनियम (MGNREGA), जॉब कार्ड / आधिकारिक पहचान पत्र जो सांसदों / विधायकों / एमएलसी / पैन को जारी किए गए हैं। केंद्रीय / राज्य सरकार द्वारा कर्मचारियों को जारी किए गए बैंक / डाकघर / पासपोर्ट / पेंशन दस्तावेज़ / सेवा पहचान पत्र (तस्वीर के साथ) कार्ड / पासबुक / सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियाँ / सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियाँ / वोटर आईडी / स्मार्ट कार्ड, जो आरपीआई द्वारा एनपीआर द्वारा जारी किए गए हों) पंजीकरण के साथ-साथ टीकाकरण के समय रखे के पड़ी ।

8) वैक्सीन ड्राई रन का हउवे?

ड्राई रन सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (UT) में आयोजित वैक्सीन की एक नकली टीकाकरण प्रक्रिया हवुए, जो सह-विन ऐप की परिचालन व्यवहार्यता के आकलन करने के लिए, संभावित क्षेत्र से संबंधित समस्याओं (जैसे भंडारण, आपूर्ति) और योजना की पेशकश को समझने के खातिर है। वास्तविक कार्यान्वयन के लिए रसद। ड्राई रन में, एक परीक्षण टीके लाभार्थी में ज्यादातर निर्दिष्ट वैक्सीन केंद्रों के कर्मचारी और साथ ही स्वैच्छिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता शामिल होते हैं। ड्राई रन के दौरान, प्रत्येक नामित वैक्सीन सेंटर को कोडिन डेटाबेस में परीक्षण लाभार्थियों को उनके आईडी कार्ड, सत्यापन, मॉक वैक्सीनेशन और पोस्ट-वैक्सीन अवलोकन के साथ रजिस्टर करने से टीकाकरण प्रोटोकॉल के प्रत्येक और हर चरण का संचालन करना होता है।

ये एक प्रक्रिया है तो बस टेस्ट करने के लिए ऐप सही से काम करत बा की ना।

9) Co-Win का हउवे ?

इसमें लाभार्थी पंजीकरण, प्रमाणीकरण, दस्तावेज सत्यापन, सत्र आवंटन, AEFI (प्रतिकूल घटना के बाद टीकाकरण) रिपोर्टिंग और प्रमाणपत्र पीढ़ी शामिल बा। ई वर्तमान में प्री-प्रोडक्ट स्टेज और ड्राई रन के दौरान किए जाने वाले ऑपरेशनल फिजिबिलिटी एनालिसिस ह। राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन के हिस्से के रूप में एक को-विन पोर्टल भी विकसित कएल जाता, जो आईसीएमआर, स्वास्थ्य मंत्रालय और आयुष्मान भारत जैसी विभिन्न एजेंसियों के डेटा को जोड़ेला।

10) अगर हम प्राथमिकता सूची में हैं तो उचित टीकाकरण प्राधिकरण से किस तरह से बात करे के चाही?

इसे मोबाइल ऐप 'को-विन' के माध्यम से कईल जा सकेला, जो संबंधित विवरणों के आधार पर आपको प्राथमिकता को वर्गीकृत करी।

11) क्या भारत में COVID वैक्सीन को +2 से +8 डिग्री सेल्सियस के तापमान पर स्टोर करे और परिवहन करे के क्षमता बा ?

हाँ। भारत दुनिया में सबसे बड़े टीकाकरण कार्यक्रमों में से एक चलाता है, जो 26 मिलियन से अधिक नए जन्म और 29 मिलियन गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण की जरूरतों को पूरा करत बाटे । देश की बड़ी और विविध आबादी के पूरा करने के लिए कार्यक्रम तंत्र को मजबूत कईल जा रहा है। सामान्य प्रशीतन तापमान (+2 से +8 डिग्री सेल्सियस) में भंडारण और परिवहन कोड़ बाधा नहीं है। कई और जैसे सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने GAVI और बिल और मेलिंडा गेट्स के साथ कुशल वैक्सीन निर्माण और वितरण के लिए कम और मध्यम-आय वाले देशों के लिए भी साझेदारी की थी।

12) अनुशंसित खुराक का ह और केतना वैक्सीन के कितना खुराक लेवे के बा और कब? कई खुराक लेना है या ई क ही काफी है?

COVID 19 वैक्सीन की उचित खुराक मिलने पर; लाभार्थी अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एसएमएस प्राप्त होई टीके की सभी खुराक लग् ने होने के बाद, लाभार्थी के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एक क्यूआर कोड आधारित प्रमाण पत्र भी भेजा जाएगा। अधिकांश टीकों में, एक ही खुराक दो बार दी जाईल। हालांकि, स्पुतनिक- वी वैक्सीन में अलग-अलग वेक्टर वायरस के रूप में दोनों खुराक हैं, इसलिए इसे खुराक 1 और 2 के रूप में चिह्नित किया गया है। कोविशिल्ड वैक्सीन भी पहली खुराक, आधी खुराक के रूप में आती है। हालांकि, दोनो की असर समान है।

एकल खुरक केवल आंशिक सुरक्षा (60-80%) प्रदान कर सकती है और लंबे समय तक नहीं रह सकेला। इसलिए पूर्ण सुरक्षा के लिए अनुशंसित अंतराल पर दो खुराक लेनी होगी। यह सुनिश्चित करें कि यदि कोई व्यक्ति निर्धारित तिथि पर दूसरी खुराक लेना भूल जाता है या असमर्थ है, तो इसे निकटतम संभावित तिथि पर लिया जा सकता है और पहली खुराक को दोहराने की कोई आवश्यकता नएखे ।

13) क्या COVID 19 से ठीक हुए मरीजों के लिए टीकाकरण आवश्यक बा? क्या यह किसी ऐसे व्यक्ति को दिया जा सकता है जिसे COVID19 के उपचार के रूप में प्लाज्मा मिला है?

ये प्राकृतिक रूप से COVID-19 संक्रमण के बाद विकसित प्रतिरक्षा संक्रमण की गंभीरता पर निर्भर करी। जिन लोगों को हल्के संक्रमण थे, उनके लिए सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की सकती। दाता प्लाज्मा में COVID-19 एंटीबॉडी होते हैं जिनका उपयोग उपचार के लिए किया गया होता है। जो लोग प्राकृतिक रूप से या प्लाज्मा उपचार के जरिए ठीक हुए, उन्हें शुरुआती चरण में वैक्सीन की आवश्यकता नहीं होला, लेकिन प्लाज्मा केवल थोड़े और अस्थायी एंटीबॉडी प्रदान करेला और दीर्घकालिक रोकथाम के लिए प्रतिरक्षात्मक स्मृति प्रदान नहीं कर पायेला। इस प्रकार, प्लाज्मा उपचार के बिना और बाद में पुनर्प्राप्त की गई दोनों श्रेणियों को भी दीर्घकालिक संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए बाद टीकाकरण जरूरी बा।

14) का ई टीका गर्भवती महिला या मधुमेह रोगी खातिर सही बा?

गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के बारे में, अभी तक टीका प्राप्त करने की सलाह नईखे देहल, क्योंकि उन्हें ऐसे मामलों में परीक्षण नहीं किया गया है। इस प्रकार सीडीसी (रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र) ने इन समूहों को टीका नहीं देने की सलाह दी है और ब्रिटेन के अधिकारियों ने महिलाओं को टीका शॉट के बाद दो महीने तक गर्भवती नहीं होने की भी सलाह दी है। चूंकि अब तक उपलब्ध टीके लाइव शैल वाले टीके नहीं हैं, इसलिए अनजाने में दिए जाने पर इसे कोई समस्या नहीं होइ।

लेकिन मधुमेह के रोगियों के मामले में, यह सुरक्षित बा और बहुत सलाह दी जाती है कि इसे प्राथमिकता पर टीका लगाया जाना चाहिए क्योंकि मधुमेह और COVID 19 जैसी गंभीर बीमारियों के लिए एक स्थापित जोखिम कारक है। टीकाकरण करना अभी भी एक विकल्प है और पूरी तरह से स्वैच्छिक है, लेकिन निश्चित रूप से उचित बा।

15) किस उम्र के बच्चों को टीका लगावल जा सकेला ? क्या खुराक वयस्कों के समान बा या कम खुराक देना होगा ?

अभी तक परीक्षण केवल वयस्कों (18 से ऊपर) के लिए कइल बा, जबकि बच्चों के लिए परीक्षण (12 से ऊपर) भी शुरू किए गए हैं। छोटे बच्चों और शिशुओं पर किए गए परीक्षणों के बाद ही खुराक का फैसला कईल जाई। इस प्रकार, बच्चों का टीकाकरण सफल परीक्षण के परिणाम के अधीन बा।

16) का ई वैक्सीन इम्युनोकोप्रोमाइज्ड लोगों के देहल जा सकत बा?

m-RNA टीका और निष्क्रिय टीके सुरक्षित बा। कोविशिल्ड और स्पुतनिक-वी एडेनोवायरस वेक्टर वैक्सीन भी सुरक्षित हैं क्योंकि वे गैर-प्रतिकृति वायरल वेक्टर वैक्सीन हैं। लाइव वैक्सीन और वायरल वेक्टर वैक्सीन के लेवे से बचके चाही ।

17)क्या ई टीके लेना जरूरी बा? यदि कोई विकल्प दिया जाए, तो हमें कौन सा लेवे के चाही?

अधिकांश देशों में, यह अनिवार्य नईखे। चुनना हम सबके बा। वर्तमान में केवल दोगो विकल्प उपलब्ध बा और इसलिए टीकाकरण केंद्रों पर कोई विकल्प नहीं है। यह समझदारी से सोच सकल जाला है कि कम से कम एक को दूसरों के आगे टीका लगाने की पेशकश कईल जाता लेकिन यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि टीकाकरण की दोनो खुराक लागे ।

18) टीका लगईला के कितने दिनों बाद सुरक्षा का विकास होगा और ई कब तक चलेगा?.

दूसरी खुराक के 10 दिन बाद सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा शुरू हो जाला । एकर प्रभावकारिता सभी गंभीरता के खिलाफ 70-90% बाटे और अस्पताल में भर्ती होने के खिलाफ 100% बा। अस्पताल और मृत्यु दर को रोकने के लिए ई तत्काल उद्देश्य बा। नया तकनीक होने के नाते, हम वास्तव में सुरक्षा अवधि के बारे में नईखी जानत इसका जवाब लंबे समय तक प्रतिरक्षित लोगों का पालन करने के बाद दिया जा सकेला ।

19)जल्दी मे किये गये परीक्षण के कारण, COVID19 टीकों के मामले में क्या समझौता कईल गईल बा ?

वैक्सीन के विकास एक लंबी अवधि के प्रक्रिया हउवे जिसमें कई जाँच बिंदुओं के साथ तीन चरणों को शामिल कईल जाला ताकि ई सुनिश्चित किया जा सके कि लंबे समय तक चलने वाली प्रतिरक्षा के साथ केवल सुरक्षित सार्वजनिक उपयोग के लिये प्रभावकारी हो ।

तीन प्रमुख परीक्षण चरण (I, II और III) हैं, जिनमें से प्रत्येक का अपना उद्देश्य ह और एक दूसरे से भिन्न होना भी इस तथ्य पर आधारित है कि भर्ती किए गए स्वयंसेवकों

की संख्या क्रमशः I और III के चरण से 10 से 100 के बीच भिन्न होती है और इस चरण-१ का उद्देश्य सुरक्षा सुनिश्चित करना होला, इम्युनोजेनेसिटी के लिए द्वितीय चरण और प्रभावकारिता के लिए चरण 3 होला ।

बाजार के अधिकांश वर्तमान वैक्सीन चरण 3 तक पहुंच गईल बा, जबकि कुछ मामलों में चरण 3 के परीक्षण के परिणाम उपलब्ध कराए गए थे और अनुमोदन उसी के आधार कर देहल गईल (पूरा चरण 3 परीक्षण डेटा निकट भविष्य में आवे के उम्मीद बा) । जैसा कि हम एक महामारी का सामना कर रहे हैं और इस महामारी ने कई मौतों और कष्टों को देखा है, यह एक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकालीन स्थिति बनल बा। इसलिए, कुछ टीके उपलब्ध अंतरिम आंकड़ों के आधार पर आपातकालीन उपयोग के लिए अनुमोदित कईल गईल बा, जबकि एक टीके को सूचित परीक्षण मोड में टीकाकरण के लिए अनुमोदित किया गया है, जिसका अर्थ है कि टीकाकृत लोग चरण 3 परीक्षण का हिस्सा होंगे और भविष्य में इन सब के निगरानी कईल जाई.

20) टीकाकरण का क्या दुष्प्रभाव अपेक्षित है और क्या दुष्प्रभाव रिपोर्ट कईल बा

परीक्षण की आबादी द्वारा रिपोर्ट किए गए साइड इफेक्ट ज्यादातर हल्के सीओवीआईडी जैसे कुछ बुखार, मांसलता में पीड़ा, अस्वस्थता और थकान जैसे लक्षण बाटे , जैसे की लोकल इंजेक्शन साइट पे दर्द भी बतावल गईल बा, टीके से संबंधित अनुप्रस्थ मायलिटिस और चेहरे पर पक्षाघात जैसे असर की रिपोर्ट नहीं मिली है।

कोविशिल्ड के मामले में, इंजेक्शन साइट पर गर्मी, कोमलता, लालिमा, सूजन या चोट के साथ-साथ फ्लू जैसे लक्षण 1% से कम में रिपोर्ट कईल बा । उपरोक्त लक्षणों के अलावा कोवाक्सिन के लिए, हाथ की कठोरता, मतली, उल्टी के साथ-साथ एलर्जी के लक्षण (सांस लेने में कठिनाई, चकत्ते, चेहरे की सूजन, चक्कर आना) भी 1% से कम में बतावल बा ।

21) जैसा कि वायरस उत्परिवर्तित हो सकत बा और , एक और वैक्सीन की आवश्यकता हो सकेला तो क्या इंतजार करना ठीक रही ?

दूसरे वायरस की तरह COVID-19 वायरस भी कई उत्परिवर्तन से गुजरे के बाटे । लेकिन उत्परिवर्तन दर फ्लू वायरस की तरह बहुत बार उत्परिवर्तित करने के जैसा नहीं

है। कुछ उत्परिवर्तन जैसे D614G या हाल ही के एक, जैसे ब्रिटेन के वाइरस के नए स्ट्रेन ने ध्यान आकर्षित किया और विश्व को नया चिंता में डाल दिया । वर्तमान में हम सब के पास वर्तमान टीके के प्रभावकारिता पर इन म्यूटेशनों के प्रभाव पर टिप्पणी करने के लिए पर्याप्त प्रमाण या डेटा की कमी बाटे , विशेष रूप से अगर एक कोई टीका पूर्ण स्पाइक प्रोटीन या पूरे वायरस पर आधारित है तो वैकल्पिक एंटीजेनिक क्षेत्रों के वांछित कार्य को बनाए रखने के लिए टीका काम करत रहेला। इ याद रखना महत्वपूर्ण बा कि हम यह नहीं जानते हैं कि क्या ये वैरिएंट सेरोटाइप्स 'भी हैं, मतलब की यह अन्य मौजूदा वैरिएंट की तुलना में होस्ट सेल प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को स्पष्ट रूप से अलग पहचान कर पयेला की नाही।

स्वास्थ्य, नैतिक और धार्मिक चिंताएँ

22) कुछ टीके mRNA पे आधारित बाटे , का इस बात की कोई संभावना बाटे कि जो टीके दिए जा रहे हैं वो मानव जीनोम में शामिल हो के हमारी आनुवंशिक संरचना को बदल दे। नहीं। अइसन कोई संभावना नहीं है । एमआरएनए साइटोप्लाज्म में स्थानीयकृत होला जब की डीएनए कोशिका के केंद्रक में स्थानीय होला । mRNAs पॉलीपेप्टाइड्स / प्रोटीन का उत्पादन करने में योगदान करेला और इस प्रकार mRNA टीका, mRNA ट्रांसलेशन के परिणामस्वरूप प्रतिजन (जैसे स्पाइक प्रोटीन या रिसेप्टर बाइंडिंग डोमेन आदि) के उत्पादन के लिए एक संदेश देला। उचित समय पर इस प्रतिजन को कोशिका के अंदर संसाधित कईल जाला और यह अंततः एंटीबॉडी को उत्पादन करेला और स्मृति और प्रभावकारक टी और बी कोशिकाओं को उत्पन्न कर लेता है.

23) क्या कोविड टीका ऑटिज्म और नपुंसकता जइसन बीमारी कर सकत बाटे ?

मौजूदा जानकारी के आधार पर ई रिपोर्ट आधारहीन हैं। को ऑटिज्म से जोड़े वाला एक पेपर 1985 में रिपोर्ट किया गया था, जबकि लाखों बच्चों को शामिल करने वाले सर्वेक्षण में ई साबित भइल कि इसका कोई संबंध नईखे आज तक, नपुंसकता से जुड़े टीकों के प्रभाव पर कोई रिपोर्ट नईखे भईल।

24) क्या दोसर कउनो टीका बा जो हम लोग के COVID-19 से बचा ले?

हालांकि इस ए सन्दर्भ में तपेदिक के टीके के प्रभाव को समझने के लिए अध्ययन कईल बाटे - यानी बेसिल कैलमेट-ग्यूरिन (बीसीजी COVID-19) के बारे में, लेकिन अबे हमारे पास कोई निर्णायक डेटा नईखे ।

25) शाकाहारी होने या अंडे से एलर्जी होने से क्या यह हमारे शरीर में वैक्सीन के प्रभाव को प्रभावित करी ?

COVID -19 वैक्सीन आम जनता के लिए उपलब्ध एक अन्य वैक्सीन की तरह बाटे और एके शाकाहारी या मांसाहारी मूल से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। ऐहीना, अंडे का उपयोग टीकों के उत्पादन के लिए नहीं कईल जाला और इसलिए अंडे से एलर्जी होने पर भी इसे सुरक्षित रूप से लिया जा सकेला

26) क्या COVID-19 टीके हलाल है ?

COVID -19 वैक्सीन आम जनता के लिए उपलब्ध एक अन्य वैक्सीन की तरह ही बाटे और एके हलाल या हराम नहीं कहा जाना चाहिए।

टीकाकरण के बाद और वैक्सीन के भविष्य

27) क्या कउनो निवारक उपाय और सावधानियां बाटे जिनका टीकाकरण केंद्र पर पालन करने के आवश्यकता होई ?

टीकाकरण केंद्र पर कम से कम आधे घंटे के पोस्ट टीकाकरण के लिए आराम करने का गुजारिश कईल बाटे । यदि बाद में कउनो असुविधा या बेचैनी महसूस होती है, तो निकटतम स्वास्थ्य अधिकारियों / एएनएम (सहायक नर्स मिडवाइफ) / आशा (मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता) को सूचित करके रही । याद रखना है कि प्रमुख COVID व्यवहार जारी रखे के बा जैसे कि मास्क पहनना, हाथ की सफाई बनाए रखना, चेहरे को अनचाहे हाथों से छूने से बचना, सोशल डिस्टनिंग रखना आदि।

28) क्या टीका लगाने के बाद भी मास्क पहनना जरूरी रही और काहे ?

हां, COVID से जुड़ी नियम /जानकारी को याद जारी रखना महत्वपूर्ण बाटे। कोई मास्क पहनना तबे बंद कर सकता है, जब आबादी के अधिकांश लोगों को या तो बीमारी हो गईल होके , टीका प्राप्त किया हो या हर्ड प्रतिरक्षा हासिल हो गया हो। यह समझना महत्वपूर्ण है कि टीकाकरण केवल यह सुनिश्चित करता है कि टीकाकृत व्यक्ति को 'बीमारी' नहीं होके।

टीकाकरण से संक्रमण से बचाव नाही होई । एक टीका लगाया हुआ व्यक्ति अभी भी संक्रमित हो सकेला और दुसरे को संक्रमित कर सकेला , हालांकि उसे वह बीमारी नाही हो पाई।

29) क्या हम निकट भविष्य में नए और बेहतर COVID टीके की उम्मीद कर सकेनी जा ?

दिसंबर 2020 तक, विभिन्न चरणों में 250 से अधिक टीके परीक्षण के अधीन बाटे । नए वितरण तरीकों को भी विकसित करने के लिए बहुत सारे शोध चलता। नाक स्प्रे वैक्सीन शायद सबसे आशाजनक बा । एक मल्टी-डोज़ नाक स्प्रे डिलीवरी डिवाइस बहुत सुविधाजनक हो सकेला क्योंकि यह वायरस के प्रवेश द्वार को ब्लॉक करने के लिए स्थानीय IgA एंटीबॉडी का निर्माण करेगा। ई नाक के बसावट को कम करेगा और इस तरह रोग के संचरण को भी रोकेगा। दुर्भाग्य से, चूंकि यह एक जीवित टीका होई , ए लिए इसे अधिकतम और सबसे कठोर परीक्षणों की आवश्यकता होई और इस तरह बाजार में आने में ज्यादा समय लागी

सारे वक्सीनो के बीच, कौन सब् से बेहतर है या अधिक प्रभावोत्पादक बाटे , केवल कठोर चरण 3 के नैदानिक परीक्षणों के पूरा होने और तुलनात्मक परिणामों के बाद ही पता चल पाई और इसके लिए समय लागी

30) यह टीका किसे नहीं लगवाये के चाही ?

इम्यूनोकम्प्रोमाइज्ड व्यक्ति, टीकों या इसके अवयवों के प्रति एलर्जी रखे वाले लोगो के ई वैक्सीन ना लगावे के चाही ।

संपादक

उपासना रे
मुद्रिका खंडेलवाल

प्रबंध संपादक

वेद कृष्णन

क्षेत्रीय अनुवादक

निशांत चक्रवर्ती
मनोज गुप्ता
अमन मिश्रा

कवरेज डिजाइन

अक्षय कुमार ए.एस.

भारतीय राष्ट्रीय युवा विज्ञान अकादमी (INYAS)
भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, 2, बहादुर शाह जफर मार्ग,
नई दिल्ली -110 002, भारत



@INYAS_INSA

संपर्क करें:

ईमेल: inyas@insa.nic.in; inyasindia@gmail.com

वेबसाइट : <http://inyas.in/>